अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 100 | श्री विजय पुरम, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

जैव विविधता से भरपूर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में व्यापक अवसंरचना विकास

अनुमान है कि वार्षिक पर्यटक आगमन 2029 में 98,000 से बढ़कर 2047 तक 7.35 लाख हो जाएगा और 2055 तक 10 लाख से अधिक हो जाएगा।

जनजातीय कल्याण योजना के मसौदे के लगभग साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने एक मसौदा मास्टर प्लान, ग्रेट निकोबार द्वीप विकास क्षेत्र–2047 जारी किया है, जिसमें यह बताया गया है कि अगले 25 वर्षों में इस प्राचीन द्वीप को एक लॉजिस्टिक्स, सैन्य और पर्यटन केंद्र के रूप में कैसे विकसित किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट और हवाई अड्डे से लेकर कई बिजली संयंत्रों, चार लेन की सड़कों और लक्ज़री रिसॉर्ट्स और होटलों तक के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग 166 वर्ग किलोमीटर से अधिक भूमि की आवश्यकता होगी, जिसे चार चरणों में पूरा किया जाएगा।

योजना में कहा गया है कि द्वीप पर ''आर्थिक अवसर सीमित हैं'', इसके बावजूद कि इसमें ''आईसीटी बंदरगाह, पर्यटन और मनोरंजन जैसे आर्थिक कारकों पर आधारित सर्वांगीण सतत विकास की अपार संभावनाएं हैं''। इसमें वित्त, ज्ञान और स्वास्थ्य केंद्रों को भी संभावित विकास के कारकों के रूप में पहचाना गया है।

घने उष्णकटिबंधीय सदाबहार जंगलों से आच्छादित ग्रेट निकोबार द्वीपसमूह में अद्वितीय जैव विविधता पाई जाती है, जिसमें विविध प्रकार के पेड़–पौधे और जीव–जंतु, लहरदार भूभाग, बारहमासी नदियाँ और गहरी खाड़ियाँ और छोटी नदियाँ शामिल हैं। यहाँ विविध वन प्रणालियाँ मौजूद हैं, जिनमें निचली पहाड़ियों के मौसमी वर्षावनों से लेकर उष्णकटिबंधीय पर्वतीय, नदी–तटीय, ऑर्किड से भरपूर और नम पर्णपाती वन शामिल हैं।

श्रेयः आईस्टॉक फोटो

ऐसी प्राकृतिक संपदा पर्यटकों को आकर्षित करना स्वाभाविक है। स्वच्छ रेतीले समुद्र तट, मनमोहक पहाड़ियाँ, वनों से आच्छादित पर्वत और तटरेखा के किनारे नारियल के बागान इसे एक अनूठा समुद्री तट बनाते हैं, जो एक अनछुए वातावरण में विश्राम के लिए आदर्श है।

अनुमान है कि वार्षिक पर्यटक आगमन 2029 में 98,000 से बढ़कर 2047 तक 7.35 लाख हो जाएगा और 2055 तक 10 लाख से अधिक हो जाएगा।

ग्रेट निकोबार की निकटवर्ती अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों जैसे कि आगामी सेनांग शहर, फुकेट द्वीप और लंगकावी द्वीप से निकटता पर्यटन–उन्मुख विकास के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है, जिससे द्वीप को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थान मिलता है।

पर्यटन के साथ–साथ, दो अन्य सामरिक अवसंरचना परियोजनाएं इस योजना के केंद्र में हैंः एक आईसीटी बंदरगाह और एक सैन्य हवाई अड्डा (एक नागरिक टर्मिनल के साथ), जिनसे हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण चोक पॉइंट्स में से एक, मलाका जलडमरूमध्य में भारत की प्रतिक्रिया समय में काफी कमी आने की उम्मीद है।

ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित आईसीटी बंदरगाह, प्रतिस्पर्धी टैरिफ, भारतीय गेटवे बंदरगाहों से विश्वसनीय कनेक्टिविटी और किसी भी बड़े भू–राजनीतिक व्यवधान के अभाव में, भारत के 40–60 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट यातायात के साथ–साथ कुछ तृतीय–देश कार्गो को भी संभालने की क्षमता रखता है। एक बार चालू हो जाने पर, भारत का लक्ष्य वैश्विक समुद्री व्यापार में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हासिल करना है।

हालांकि, ग्रेट निकोबार द्वीपसमूह को वैश्विक पर्यटन स्थल में बदलने के लिए, भारतीय मुख्यभूमि और अंतरराष्ट्रीय शहरों से इसकी कनेक्टिविटी में सुधार करना अनिवार्य है, जो वर्तमान में सीमित है। इसके अलावा, बेहतर सड़कों का विकास करना, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और बढ़ती आबादी के लिए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल जैसी सामाजिक अवसंरचना का निर्माण करना भी आवश्यक है।

इस मास्टर प्लान में गलाथिया बे और कैम्पबेल बे राष्ट्रीय उद्यानों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए, द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र के मानदंडों को लागू करने और निकोबार मेगापोड, लंबी पूंछ वाले मकाक, समुद्री

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रोफेसर आलोक कुमार राय, निदेशक, आईआईएम कलकत्ता, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा समवर्ती रूप से एनएससीबीआईएचएल के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया है, ने आज लोक निवास में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ. प्रा.) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान नवस्थापित विश्वविद्यालय के संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं, जिनमें प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम निर्माण एवं शैक्षणिक ढांचा शामिल हैं, पर चर्चा की गई।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में कल एसवीपीएमसी स्थित डॉ. बी. आर. अंबेडकर ऑडिटोरियम के मुख्य प्रवेश द्वार के पास उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय, मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस), पुलिस

महानिदेशक, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह श्री हरगोबिंदर सिंह ढालीवाल (आईपीएस), प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री संजय कुमार सिन्हा (आईएफएस), प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा आमजन ने डॉ. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

माननीय सांसद ने जनगणना 2027 के तहत स्व–गणना कर प्रस्तुत किया उदाहरण

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे स्व–गणना अभियान में सफलतापूर्वक अपनी स्व–गणना पूर्ण कर जनसहभागिता का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया तथा सटीक एवं व्यापक डेटा संग्रहण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जनगणना की डिजिटल पहल की सराहना करते हुए श्री राय ने स्व–गणना पोर्टल की सरल एवं उपयोगकर्ता–अनुकूल प्रणाली की प्रशंसा की। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में स्व–गणना पोर्टल 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2026 तक

सक्रिय है। इसके पश्चात 16 अप्रैल, 2026 से गृह सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) के

शेष पृष्ठ 4 पर

चाथम बिजलीघर में 10 मेगावाट क्षमता वृद्धि, जल्द शुरू होगा संचालन

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, विद्युत विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सहयोग से विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए चाथम बिजलीघर में 10 मेगावाट अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़ी है। सूचना के अनुसार, चाथम में स्थापित होने वाला 10 मेगावाट का नया विद्युत संयंत्र 14 अप्रैल, 2026 को विभागीय अभियंताओं की उपस्थिति में पूर्ण क्षमता पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। यह संयंत्र अगले 3–4 दिनों में व्यावसायिक संचालन के लिए तैयार हो जाएगा, जिससे श्री विजय पुरम एवं दक्षिण अण्डमान के आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को काफी राहत मिलेगी।

हालांकि, वर्तमान में 5 डीजी सेटों के अचानक खराब हो जाने के कारण दक्षिण अण्डमान की विद्युत स्थिति कुछ प्रभावित हुई है। विभाग द्वारा इन खराब डीजी सेटों को एक सप्ताह के भीतर पुनः पूर्ण क्षमता में बहाल करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे विद्युत आपूर्ति की स्थिति में और सुधार होगा। विद्युत विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करें, ताकि सभी डीजी सेटों के पुनः चालू होने तक बिजली की कमी को संतुलित किया जा सके।

जनगणना 2027 का मकान–सूचीकरण चरण शुरू, नागरिकों से सहयोग की अपील

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जा रही है–प्रथम चरण, मकान–सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) तथा द्वितीय चरण, जनसंख्या गणना (पीई)। पहले चरण में परिवारों को उपलब्ध परिसंपत्तियों एवं सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र की जाती है। मकान–सूचीकरण की प्रक्रिया 16 अप्रैल, 2026 से 15 मई, 2026 तक संचालित की जाएगी। स्व–गणना चरण के सफल समापन के बाद अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह आज से मकान–सूचीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है।

मकान–सूचीकरण चरण के दौरान, जनगणना कार्य हेतु नियुक्त गणनाकार संबंधित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, क्षेत्र का प्रारूपिक मानचित्र तैयार करेंगे, जहां व्यवस्थित भवन संख्या उपलब्ध नहीं है वहां प्रत्येक भवन को संख्या प्रदान करेंगे तथा प्रत्येक परिवार से आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। इस अवधि में गैर–आवासीय भवनों के उपयोग से संबंधित जानकारी भी संकलित की जाएगी।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की जनगणना संचालन निदेशक श्रीमती पूर्वा गर्ग (आईएएस) ने सभी प्रधान जनगणना अधिकारियों एवं प्रभारी जनगणना अधिकारियों की बैठक लेकर फील्ड कार्य की तैयारियों की समीक्षा की तथा कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शेष पृष्ठ 4 पर

ज़िला प्रशासन ने श्री विजय पुरम में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाए, आमजन की आवाजाही बहाल

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, भूमि अतिक्रमण के प्रति शून्य सहिष्णुता नीति का पालन करते हुए, दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन ने श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) के समन्वय से श्री विजय पुरम में बड़ा संयुक्त अतिक्रमण बेदखली अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य सड़क किनारे स्थित सरकारी राजस्व भूमि पर किए गए अवैध कब्ज़ों को हटाना था।

सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए, राजस्व विभाग एवं एसवीपीएमसी के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने, पुलिस विभाग तथा नगरपालिका परिषद के श्रमिकों के सक्रिय सहयोग से, कार्बाइंस कोव जंक्शन के निकट अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान 16 अवैध संरचनाएं, जिनमें गुमटियां, अस्थायी स्टॉल और बिना वैध अनुमति के संचालित अस्थायी दुकानें शामिल थीं, को सरकारी राजस्व भूमि से हटाया गया। पूरी कार्रवाई सुव्यवस्थित ढंग

शेष पृष्ठ 4 पर

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026: स्वाद, संस्कृति और परंपराओं का अनोखा संगम

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन विभाग ने सभी को एक जीवंत पाक–यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है, क्योंकि बहुप्रतीक्षित द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 का आयोजन 17 से 19 अप्रैल, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजय पुरम में सायं 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जाएगा। द्वीप खाद्य महोत्सव केवल भोजन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह द्वीपों के लोगों, उनकी कहानियों और परंपराओं को समर्पित एक विशेष आयोजन

है। इसका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देना, छोटे व्यवसायों को समर्थन देना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पाक विरासत को संरक्षित करना है। इस आयोजन में स्थानीय विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) एवं विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों द्वारा

शेष पृष्ठ 4 पर

पर्यटन स्थलों पर अवैध होर्डिंग्स एवं बैनरों को हटाने के निर्देश

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने यह संज्ञान लिया है कि द्वीपसमूह के विभिन्न प्रमुख पर्यटन स्थलों पर कई अवैध होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए गए हैं। इस प्रकार की अनधिकृत स्थापना न केवल पर्यटन स्थलों की सौंदर्यात्मकता को प्रभावित करती है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों में बाधा उत्पन्न कर पर्यटकों को असुविधा भी पहुंचाती है। इस संदर्भ में सभी संबंधित पक्षों, जिनमें टूर ऑपरेटर, स्थानीय व्यवसायी तथा अन्य व्यक्ति शामिल हैं, से अनुरोध किया गया है कि वे पर्यटन स्थलों के आसपास लगाए गए किसी भी अवैध होर्डिंग्स, बैनर या प्रदर्शन सामग्री को तत्काल हटा लें। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में यह भी सूचित किया गया है कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना पर्यटन स्थलों पर किसी भी प्रकार के होर्डिंग्स, बैनर या प्रदर्शन सामग्री की स्थापना पूर्णतः प्रतिबंधित है। यदि किसी प्रकार का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित पक्षों/आमजन के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें बिना पूर्व सूचना के उक्त सामग्री को हटाना भी शामिल होगा।

अंडर–17 राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा विभाग द्वारा अंडर–17 (बालक एवं बालिका) वर्ग के लिए 8वें राज्य स्तरीय लीग–कम–नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट (प्री–सुब्रोतो), का आयोजन 16 से 20 अप्रैल, 2026 तक नेताजी स्टेडियम एवं जेएनआरएम फुटबॉल ग्राउंड में किया जाएगा। प्रारंभिक दौर के मैच 16 अप्रैल, 2026 को सुबह 6 बजे से नेताजी स्टेडियम एवं जेएनआरएम फुटबॉल ग्राउंड में शुरू होंगे। वहीं, टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह 17 अप्रैल, 2026 को शाम 3 बजे नेताजी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्रीमती चंचल यादव (आईएएस), आयुक्त–सह–सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

शिक्षा निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह टूर्नामेंट प्रतिष्ठित सुब्रोतो कप से पूर्व आयोजित किया जा रहा है, जिसमें द्वीपसमूह के विभिन्न विद्यालयों की टीमें भाग लेंगी और बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में युवा फुटबॉल प्रतिभाओं का प्रदर्शन होगा।

शेष पृष्ठ 4 पर

अंडर–17 राज्य स्तरीय फुटबॉल

——————पृष्ठ 1 का शेष

यह प्रतियोगिता खेल भावना को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने में सहायक होगी। टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं। दर्शकों एवं फुटबॉल प्रेमियों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक संख्या में उपस्थित होकर द्वीपों के युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026: स्वाद

——————पृष्ठ 1 का शेष

स्टॉल लगाए जाएंगे। इस महोत्सव में आगंतुकों को कन्नड़ संघ, भोजपुरी समाज, मोपला समुदाय, रांची एसोसिएशन, निकोबारी समूह आदि सांस्कृतिक संगठनों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखने का अनूठा अवसर मिलेगा, जो "विविधता में एकता" की भावना को साकार करता है। इसके साथ ही, फेस्टिवल में कुकिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें द्वीपीय पेय पदार्थ एवं थीम आधारित केक सजावट प्रतियोगिता शामिल हैं, जो उत्सव के माहौल को और भी जीवंत बनाएंगी तथा प्रतिभागियों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेंगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तीनों दिनों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा नृत्य, संगीत एवं अन्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस द्वारा जागरूकता से संबंधित नाटक (स्किट) भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जो मनोरंजन के साथ–साथ जनजागरूकता का संदेश देंगे।

पर्यटन विभाग ने स्थानीय निवासियों, पर्यटकों, परिवारों एवं भोजन प्रेमियों से इस भव्य आयोजन में भाग लेने का आह्वान किया है। आइए, स्वादों और परंपराओं के इस उत्सव में शामिल होकर द्वीपीय जीवन की समृद्ध सांस्कृतिक झलक का आनंद लें।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का दिनवार कार्यक्रम

दिनांक	समय			
17.04.2026 (शुक्रवार)	साई योग ट्रस्ट • कलात्मक योग – आराध्या, गोपिकाश्री दर्शिनी – 5 मिनट • कलात्मक युगल योग – अफशीन और अमरीन – 5 मिनट	शाम 5 बजे से शाम 5.20 बजे	अण्डमान तथा निकोबार पुलिस स्किट (नाटक)	शाम 5.40 बजे से शाम 6 बजे
			अण्डमान तथा निकोबार पुलिस सांस्कृतिक कार्यक्रम	शाम 6 बजे से शाम 7 बजे
	गरबा नृत्य – अंशिका हावलदार और अनुष्का रॉय	शाम 5.20 बजे से शाम 5.30 बज	अल्फा म्यूज़िकल	शाम 7 बजे से शाम 8 बजे
	मारी जैक्सन एवं समूह	शाम 5.30 बजे से शाम 5.40 बजे	फ्रेंड्स सांस्कृतिक समूह	रात 8 बजे से अंत तक
18.04.2026 (शनिवार)	झंकार डांस ग्रुप – थिल्लाना फ्यूजन एवं अर्ध–शास्त्रीय	शाम 5 बजे से शाम 5.15 बजे	एमजे म्यूज़िक अकादमी	शाम 5.45 बजे से शाम 6.45 बजे
	गौरी शंकर	शाम 5.15 बजे से शाम 5.30 बजे	बीएनए	शाम 6.45 बजे से शाम 7 बजे
	बीएनए	शाम 5.30 बजे से शाम 5.40 बजे	मेलोडी मेकर्स (शैलेन्द्र सिंह एवं समूह)	शाम 7 बजे से अंत तक
19.04.2026	गरबा नृत्य – अंशिका हावलदार और अनुष्का रॉय	शाम 5 बजे से शाम 5.20 बजे	अण्डमान तथा निकोबार पुलिस स्किट (नाटक)	शाम 5.50 बजे से शाम 6 बजे
	डीएनए	शाम 5.20 बजे से शाम 5.40 बजे	गीत संगीत म्यूज़िकल ग्रुप	शाम 6 बजे से शाम 7.45 बजे
	मारी जैक्सन एवं समूह	शाम 5.40 बजे से शाम 5.50 बजे	बीआरडब्ल्यू (वरिष्ठ कलाकार वाहिद शाह एवं समूह)	शाम 7:45 बजे से अंत तक

ज़िला प्रशासन ने श्री विजय पुरम में

————पृष्ठ 1 का शेष

से और पर्याप्त पुलिस सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक एवं प्रभावी तरीके से संपन्न की गई।

यह अभियान कार्बाइंस कोव जंक्शन से लेकर कार्बाइंस कोव तट क्षेत्र, श्री विजय पुरम तक के पूरे मार्ग पर चलाया गया, जहां कई अस्थायी व्यावसायिक ढांचे पैदल यात्रियों की आवाजाही और सार्वजनिक पहुंच में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। इन अतिक्रमणों को हटाने से न केवल सरकारी भूमि को उसके मूल स्वरूप में बहाल किया गया है, बल्कि मुख्य सड़क पर दृश्यता और सुरक्षा में भी सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, कार्बाइंस कोव क्षेत्र में सरकारी राजस्व भूमि से 4 अतिक्रमण (3 संरचनाएं और 1 केला बागान सहित बाड़बंदी) भी हटाए गए। इस कार्रवाई के माध्यम से लगभग 600 वर्ग मीटर सरकारी भूमि को सफलतापूर्वक मुक्त कराकर सरकारी खाताबही (खाता) में पुनः दर्ज़ किया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति में दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन ने दोहराया है कि जहां–जहां अवैध कब्ज़े पाए जाएंगे, वहां इस प्रकार की कार्रवाई बिना रुके जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्ज़ा न करें और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की जानकारी/शिकायत के लिए आम जन फोन नंबरों पर ज़िला नियंत्रण कक्ष से 03192–240127, 238881, 1070, 9531888844 (व्हाट्सएप) संपर्क कर सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

माननीय सांसद ने जनगणना

——————पृष्ठ 1 का शेष

अंतर्गत घर–घर जाकर गणना की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जो 30 दिनों तक चलेगी।

द्वीपवासियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर स्व–गणना पूर्ण करें तथा एचएलओ चरण के दौरान गणनाकारों के आगमन पर पूर्ण सहयोग प्रदान करें। जनगणना संचालन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में निवासियों को भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी गई है तथा यह स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अधिकारी पहचान पत्र, बैंक विवरण, ओटीपी या वित्तीय जानकारी नहीं मांगेगा। साझा की गई सभी जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत गोपनीय रखी जाएगी।

जैव विविधता से भरपूर अण्डमान

——————पृष्ठ 1 का शेष

कछुए और खारे पानी के मगरमच्छ जैसी प्रजातियों के लिए संरक्षण रणनीतियों को क्रियान्वित करने का वादा किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने मसौदा मास्टर प्लान पर सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं और स्थानीय प्रेस में एक नोटिस भी जारी किया है। (स्रोतः https://www.deccanherald.com/)

जनगणना 2027 का मकान–सूचीकरण

————पृष्ठ 1 का शेष

द्वीपवासियों से अपील की गई है कि वे गणनाकारों के घर–घर पहुंचने पर पूर्ण सहयोग प्रदान करें और सही एवं सटीक जानकारी दें, क्योंकि यह आंकड़े भविष्य की योजनाओं एवं सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए उपयोगी होंगे। जनगणना संचालन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्रेस ब्रीफ में निवासियों को भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। यह स्पष्ट किया गया है कि जनगणना के दौरान कोई भी अधिकारी पहचान पत्र, बैंक विवरण, ओटीपी या वित्तीय जानकारी नहीं मांगेगा। साझा की गई सभी जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

द्वीपों में मना अग्निशमन सेवा दिवस, शहीद कर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल,

अण्डमान तथा निकोबार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं ने 14 अप्रैल,, 2026 को पूरे देश के साथ अग्निशमन सेवा दिवस मनाया। इस वर्ष की थीम "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज–अग्नि रोकथाम के लिए साथ मिलकर" रही, जो महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर बल देती है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत 14 अप्रैल,, 2026 को अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा (मुख्यालय), श्री विजय पुरम में स्मृति दिवस के आयोजन के साथ हुई, जिसमें कर्तव्य के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर श्रीमती गीता रानी वर्मा (आईपीएस), पुलिस महानिरीक्षक (अग्निशमन) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने स्मृति परेड की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में द्वीपवासियों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा में अग्निशमन कर्मियों के सर्वोपरि कर्तव्यों और ज़िम्मेदारियों को रेखांकित किया। उन्होंने द्वीपों में अग्नि एवं आपातकालीन कॉल पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा बताया कि अग्निशमन सेवा द्वारा लगभग 116,34,31,300 रुपये मूल्य की संपत्ति को बचाया गया है, जो विभाग की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल,, 1944 को मुंबई के विक्टोरिया हार्बर में हुई एक भीषण अग्निकांड की स्मृति में मनाया जाता है। इस त्रासदी में विस्फोटक सामग्री से लदे जहाज़ "एसएस फोर्ट स्टिकाइन" में विस्फोट हुआ था, जिसमें 336 लोगों की मृत्यु हुई और 1,040 लोग घायल हुए थे। इस हादसे में मुंबई अग्निशमन दल के 66 अग्निशमन कर्मियों ने भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मुख्यालय के परेड मैदान में वर्ष 2025–2026 के दौरान कर्तव्य पालन करते हुए शहीद हुए वीर कर्मियों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। मुख्य अतिथि ने शहीदों के नामों की घोषणा कर उनकी निःस्वार्थ सेवा एवं समर्पण को नमन किया:

- श्री सोनी एस. कुमार, अग्नि एवं बचाव अधिकारी, केरल फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज
- श्री डंगर सिंह, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज

कार्यक्रम का समापन श्री विजय पुरम नगरपालिका क्षेत्र में अग्निशमन वाहनों की फ्लैग मार्च के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य आमजन में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम उपायों के प्रति जागरूकता फैलाना था।

यूडीआईडी योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों को जागरूक करने की पहल

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल,

दक्षिण अण्डमान के ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों तक सरकारी लाभ एवं सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से समाज कल्याण निदेशालय द्वारा आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मंगलूटान एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छोलदारी में यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मंगलूटान एवं छोलदारी के चिकित्सा अधिकारी, गुप्तापाड़ा के प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, दिव्यांगजन, चिकित्सा कर्मी एवं आमजन ने भाग लिया।

इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग तथा समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को दिव्यांगता के विभिन्न पहलुओं एवं यूडीआईडी योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्य समन्वयक (यूडीआईडी) ने यूडीआईडी कार्ड, उसके लाभ, प्रमाणन प्रक्रिया तथा पंजीकरण से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला और पात्र लाभार्थियों को योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, ब्रुक्शाबाद के पुनर्वास अधिकारी ने दिव्यांगता के प्रकार, यूडीआईडी कार्ड की श्रेणियों तथा दिव्यांगता प्रमाणन प्रक्रिया की जानकारी देकर प्रतिभागियों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगता प्रभारी ने दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लाभों की जानकारी देते हुए यूडीआईडी कार्ड के महत्व को रेखांकित किया, जिससे इन सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त किया जा सके। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यूडीआईडी योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दिव्यांगजनों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करना है, ताकि वे सरकारी लाभों एवं सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त कर सकें।

मायाबंदर ज़िला कारागार में लगा आयुष्मान आरोग्य शिविर

मायाबंदर, 15 अप्रैल,

टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत 100 दिवसीय अभियान के तहत आज ज़िला सुधार गृह, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान में आयुष्मान आरोग्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य उच्च जोखिम समूहों, जैसे सीआरपीएफ कर्मियों, जेल स्टाफ एवं बंदियों में तपेदिक (टीबी) की शीघ्र पहचान एवं जांच करना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में कुल 35 लाभार्थियों ने भाग लिया। जांच प्रक्रिया के तहत 22 व्यक्तियों का छाती का एक्स–रे किया गया। जांच के दौरान 3 मामलों में असामान्य निष्कर्ष पाए गए, जिनका आगे मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त 4 थूक (स्पुटम) के नमूने सीबीएनएएटी जांच हेतु लिए गए, जिनमें से 2 नमूनों को पुष्टि परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह जांच एवं चिकित्सीय मूल्यांकन डॉ. ऐलिस ब्वा, चिकित्सा अधिकारी (डीटीसी), डॉ. आर.पी. अस्पताल, मायाबंदर द्वारा स्वास्थ्य टीम के सहयोग से किया गया।

मायाबंदर पुलिस की त्वरित कार्रवाई: लापता बच्ची 2 घंटे में खोजी गई

मायाबंदर, 15 अप्रैल,

गत 13 अप्रैल,, 2026 को श्रीमती नीलिमा टोप्पो, पत्नी श्री विक्रम बराइक, निवासी कर्माटांग–10 ने पुलिस थाना मायाबंदर में अपनी नाबालिग पुत्री गीतिका (आयु लगभग 1 वर्ष 6 माह) के लापता होने तथा संभावित अपहरण के संबंध में सूचना दर्ज़ कराई।

शिकायत के अनुसार, उसी दिन लगभग शाम 4.30 बजे वह अपनी दो बेटियों के साथ अपनी मां के घर से लौटी थीं। तेज गर्मी के कारण वे एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रही थीं, जबकि छोटी बच्ची उनके पीछे खेल रही थी। कुछ समय बाद बच्ची अचानक लापता पाई गई। आसपास तत्काल खोजबीन के बावजूद बच्ची का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मायाबंदर थाने में तुरंत मामला दर्ज़ किया गया और एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें उप निरीक्षक बी. संतोष कुमार, प्रधान आरक्षी आरोती दास, प्रधान आरक्षी (विशेष श्रेणी) एस. एन. पाठक, आरक्षी सबराज मोहम्मद, नव पाशा, शशिकुमार दास, सुजय मज़ूमदार तथा होमगार्ड वी. पार्थिव कुमार शामिल थे। यह टीम निरीक्षक आर. के. मजूमदार, प्रभारी मायाबंदर थाना के नेतृत्व में गठित की गई। टीम ने कर्माटांग–10 तथा आसपास के क्षेत्रों में व्यापक खोज अभियान शुरू किया। पुलिस टीम के त्वरित, समन्वित एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप मात्र 2 घंटे के भीतर लापता बच्ची को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद बच्ची को सुरक्षित उसकी मां को सौंप दिया गया। यह सफल अभियान उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला पुलिस की सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एएलसी में डॉ. बी. आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल,

यहां अण्डमान लॉ कॉलेज (एएलसी) के सभागार में 14 अप्रैल,, 2026 को आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उच्च शिक्षा के उप सचिव श्री अजीत कुमार ने विधि के विद्यार्थियों से डॉ. बी. आर. अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. शर्मा ने भारतीय राजनीति में डॉ. अंबेडकर के योगदानों पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक डॉ. एस. लोगनाथन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सहायक प्राध्यापिका सुश्री टी. वर्षा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत किया। इससे पूर्व, गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती का शुभारंभ किया।

दूरसंचार विभाग और सेबी ने वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

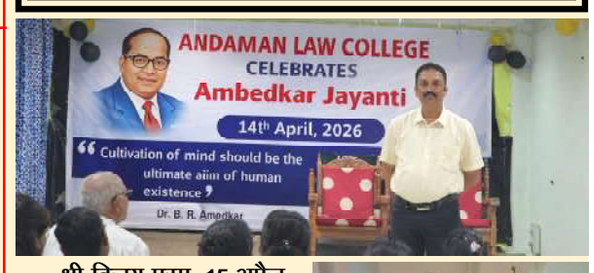

भारत के वित्तीय इको–सिस्टम की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दूरसंचार विभाग और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आज प्रतिभूति बाजार धोखाधड़ी और निवेश संबंधी घोटालों में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग से निपटने में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके एक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एआई और डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (एआई एंड डीआईयू) के उप महानिदेशक श्री संजीव कुमार शर्मा और एसईबीआई के पूर्णकालिक सदस्य श्री संदीप प्रधान ने डिजिटल संचार आयोग के सदस्य (सेवाएं) श्री देब कुमार चक्रबर्ती की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो दूरसंचार खुफिया और वित्तीय बाजार विनियमन के बीच गहन समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मात्स्यिकी पर बंद अवधि लागू, मछुआरों को निर्देश जारी

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल,

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समुद्री मत्स्य नियम, 2004 के अनुसार 15 अप्रैल से 31 मई, 2026 (प्रारंभ एवं समाप्ति तिथि सहित) तक अण्डमान तथा निकोबार जल क्षेत्र में बॉटम ट्रॉलिंग गियर का उपयोग करने वाले मछली पकड़ने वाले जलयानों तथा शार्क मछली पकड़ने पर बंद अवधि लागू रहेगी। प्राप्त विज्ञप्ति में मछुआरों को निर्देश दिया गया है कि वे बॉटम ट्रॉलिंग एवं शार्क मछली पकड़ने के संबंध में इस बंद अवधि का सख़्ती से पालन करें।

आरआईएमसी प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल,

राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी), देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी, 2027 सत्र के लिए आयोजित होने वाली आरआईएमसी प्रवेश परीक्षा के आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 20 अप्रैल, 2026 कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अब 20 अप्रैल, 2026 तक अपने आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारतीय स्टेट बैंक, एएमसीसी, श्री विजय पुरम

अधिकृत अधिकारी का विवरण : उत्तम औड्डी, मुख्य प्रबंधक
शाखा का पता : प्रथम तल, एसबीआई कॉम्प्लेक्स, मोहनपुरा, पोर्ट ब्लेयर–744101
ई–मेल : sbi.62993@sbi.co.in
मोबाइल नम्बर : 8653468666

ई–नीलामी बिक्री सूचना

संपत्ति (चल एवं अचल) की बिक्री, जो बैंक के पास सरफेसी अधिनियम, 2002 (SARFAESI Act, 2002) के अंतर्गत गिरवी रखी गई है। अधोहस्ताक्षरी, भारतीय स्टेट बैंक के अधिकृत अधिकारी के रूप में, सरफेसी अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत निम्नलिखित संपत्तियों का कब्जा ले चुके हैं।

सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित मामलों में बैंक की बकाया राशि की वसूली हेतु इन संपत्तियों की ई–नीलामी "जैसा है जहाँ है" एवं "जैसा है जो है" के आधार पर आयोजित की जाएगी।

उधारकर्ता	गारंटर का विवरण	बकाया राशि
सिद्धि विनायक एजेंसी (स्वामिनी : श्रीमती पिंकू बोस)	सुश्री पल्लवी बोस (स्व. मिलन बोस की पुत्री)	रु. 37,13,627/– (दिनांक 14.10.2024 तक) साथ में ब्याज, खर्च एवं अन्य शुल्क (15.10.2024 के मांग पत्र अनुसार)
	श्रीमती पूजा चौधरी (पतिः सुबीर चौधरी)	

मालिक	संपत्ति का विवरण	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि
1. श्रीमती पिंकू बोस 2. सुश्री पल्लवी बोस 3. श्रीमती पूजा चौधरी	200 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की खाली भूमि (सर्वे नं. 193/4), जिसे आवासीय स्थल के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ग्राम प्रातरापुर, पोर्ट ब्लेयर तहसील, दक्षिण अण्डमान (पिन–744105) में स्थित है। **सीमाएँ** : उत्तर : सड़क दक्षिण : सर्वे नं. 193/5 पूर्व : सड़क पश्चिम : सर्वे नं. 193/6	दिनांक 13.05.2026 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट की असीमित बढ़ोतरी के साथ)	दिनांक 11.05.2026, शाम 5.00 बजे तक

आरक्षित मूल्य	ईएमडी (आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत)	बोली वृद्धि राशि
रु. 37,80,000/–	रु. 3,78,000/–	रु. 50,000/–

नियम एवं शर्तें :

1. ई–नीलामी "जैसा है जहाँ है" (AS IS WHERE IS) तथा "जैसा है जो है उसी आधार पर" (AS IS WHAT IS BASIS) पर आयोजित की जा रही है और इसे "ऑनलाइन" माध्यम से किया जाएगा। यह नीलामी बैंक के अनुमोदित सेवा प्रदाता M/s बैंकनेट के वेब पोर्टल (https://banknet.com) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन ई–नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणा, सामान्य नियम एवं शर्तें https://banknet.com पर उपलब्ध हैं।
2. अधिकतम जानकारी तथा अधिकृत अधिकारी के ज्ञान के अनुसार, वहाँ संपत्ति/संपत्तियों पर कोई भार (en-cumbrance) नहीं है। तथापि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी स्वतंत्र जाँच स्वयं करनी चाहिए, जैसे कि संपत्ति पर किसी भी प्रकार का भार, स्वामित्व, नीलामी में रखी गई संपत्ति/संपत्तियों से संबंधित दावे/अधिकार/बकाया आदि, बोली प्रस्तुत करने से पहले। ई–नीलामी विज्ञापन बैंक की किसी भी प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व के रूप में नहीं माना जाएगा। संपत्ति को "जैसी है जहाँ है" तथा "जैसी है जो है" आधार पर बेचा जा रहा है, चाहे ज्ञात हो या अज्ञात, वर्तमान एवं भविष्य के सभी भारों सहित। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित ऋणदाता किसी भी प्रकार से इसके लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।
3. इच्छुक क्रेताओं/बोलीदाताओं को EMD राशि NEFT/RTGS के माध्यम से निम्न खाते में जमा करनी होगी : SUBSIDY INWARD REMIT NEFT/RTGS ACCOUNT-4897932629934, AMCC SRI VIJAYA PURAM, IFSC Code: SBIN0062993
4. बोलीदाताओं के पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट तथा वैध ई–मेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि सभी संबंधित जानकारी एवं यूजर आईडी और पासवर्ड M/s banknet द्वारा ई–मेल के माध्यम से भेजे जाएंगे।
5. इच्छुक बोलीदाता को ई–नीलामी में भाग लेने हेतु EMD जमा का प्रमाण (UTR नंबर सहित) आवेदन पत्र के साथ जमा करना होगा तथा निम्नलिखित के स्वप्रमाणित (Self-attested) दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे :
(i) पहचान प्रमाण (KYC) – जैसे वोटर आईडी कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट आदि
(ii) वर्तमान पता प्रमाण (संचार हेतु)
(iii) पैन कार्ड
(iv) वैध ई–मेल आईडी
(v) संपर्क नंबर (मोबाइल/लैंडलाइन)

इन दस्तावेजों की स्कैन कॉपी अधिकृत अधिकारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, AMCC, श्री विजय पुरम को (11/05/2026) सायं 5.00 बजे तक भेजनी होगी। मूल दस्तावेजों की स्कैन कॉपी ई–मेल द्वारा भी भेजी जा सकती है।

6. पात्र बोलीदाताओं की पहचान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, AMCC, श्री विजय पुरम द्वारा की जाएगी, ताकि वे https://banknet.com पोर्टल पर ऑनलाइन ई–नीलामी में भाग ले सकें। सत्यापन के बाद M/s banknet पात्र बोलीदाताओं को यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्रदान करेगा।
7. इच्छुक बोलीदाताओं की यह जिम्मेदारी होगी कि वे बोली प्रस्तुत करने से पहले संपत्ति का निरीक्षण कर स्वयं संतुष्ट हो लें।
8. उपरोक्त संपत्तियों की ई–नीलामी/बोली निर्धारित तिथि एवं समय पर ही की जाएगी। बोलीदाता अन्य बोलीदाताओं के विरुद्ध अपने प्रस्ताव को बढ़ा सकते हैं। प्रत्येक संपत्ति के लिए "बिड इंक्रीमेंट अमाउंट" कॉलम में उल्लिखित राशि के गुणकों में बोली बढ़ानी होगी। यदि बोली समापन समय के अंतिम 5 मिनट में लगाई जाती है, तो समापन समय स्वतः 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाएगा। ई–नीलामी प्रक्रिया के अंत में जो बोलीदाता आरक्षित मूल्य (Reserve Price) से कम नहीं बल्कि उससे अधिक सर्वोच्च बोली लगाएगा, उसे सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा तथा इसकी सूचना इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दी जाएगी, जो अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित ऋणदाता की स्वीकृति के अधीन होगी।
9. सफल बोलीदाता द्वारा जमा की गई बयाना राशि (EMD) को बिक्री मूल्य के आंशिक भुगतान के रूप में समायोजित किया जाएगा तथा असफल बोलीदाताओं की EMD वापस कर दी जाएगी। EMD पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। सफल बोलीदाता को अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार किए जाने के तुरंत बाद, बिक्री मूल्य का 15 प्रतिशत जमा करना होगा तथा शेष राशि बिक्री की तिथि से 15वें दिन तक या अधिकृत अधिकारी के विवेकानुसार लिखित रूप में स्वीकृत बढ़ी हुई अवधि के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता राशि जमा करने में चूक करता है, तो पहले से जमा पूरी राशि जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति को पुनः नीलामी में रखा जाएगा और चूक करने वाले बोलीदाता को संपत्ति/राशि पर कोई दावा या अधिकार नहीं होगा।
10. इच्छुक योग्य बोलीदाता ई–नीलामी की तिथि से पूर्व M/s ebkray से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। अधिकृत अधिकारी/बैंक अथवा M/s ebkray किसी भी इंटरनेट नेटवर्क समस्या, बिजली बाधा या अन्य तकनीकी त्रुटि/विफलता के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। ऐसी परिस्थितियों से बचने हेतु बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे तकनीकी रूप से सक्षम हों तथा पर्याप्त बिजली बैकअप आदि की व्यवस्था रखें, ताकि ई–नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।
11. क्रेता को लागू स्टाम्प शुल्क/अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क/हस्तांतरण शुल्क आदि वहन करने होंगे तथा सभी वैधानिक/अवैधानिक देयताएँ, कर, दरें, आकलन शुल्क, फीस आदि भी स्वयं वहन करनी होंगी।
12. अधिकृत अधिकारी/बैंक उच्चतम बोली को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है और किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रखता है। साथ ही, बिना कोई कारण बताए, ई–नीलामी को स्थगित/रद्द करने या किसी भी संपत्ति या उसके भाग को किसी भी चरण में नीलामी से वापस लेने का अधिकार भी सुरक्षित है।
13. बिक्री प्रमाणपत्र केवल क्रेता/आवेदक के नाम पर ही जारी किया जाएगा और किसी अन्य नाम पर जारी नहीं किया जाएगा।
14. यह बिक्री सिक्यूरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी।

दिनांक : 08.04.2026
स्थान : पोर्ट ब्लेयर

ह./–
अधिकृत अधिकारी
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

ठेकेदारों के नामांकन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

निदेशक, भा.कृ.अनु.प–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम, संस्थान तथा इसके अंतर्गत स्थित इकाइयों–गाराचरामा, सीपीघाट, ब्लूम्सडेल, मरीन हिल्स तथा केवीके सीपीघाट (दक्षिण अंडमान), निंबुडेरा (उत्तर एवं मध्य अण्डमान), एवं कार निकोबार (निकोबार)– में समय–समय पर आवश्यक विभिन्न सिविल/फैब्रिकेशन/मरम्मत कार्यों (प्रत्येक कार्य की लागत 10 लाख रूपए से कम) के निष्पादन हेतु, वर्ष भर की आवश्यकताओं के अनुसार सीमित निविदा जांच (Limited Tender Enquiry) प्रक्रिया के माध्यम से कार्य कराने के लिए ठेकेदारों से आवेदन आमंत्रित करता है।

एपीडब्ल्यूडी (APWD), सीपीडब्ल्यूडी (CPWD), एमईएस (MES) अथवा किसी अन्य सरकारी संगठन में पंजीकृत एवं संस्थान में सिविल एवं मरम्मत कार्यों के निष्पादन का अनुभव रखने वाले इच्छुक ठेकेदार, भा.कृ.अनु.प–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजय पुरम में नामांकन हेतु निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं:–

क्रम सं.	विवरण	टिप्पणी
1	एपीडब्ल्यूडी/सीपीडब्ल्यूडी/एमईएस अथवा किसी सरकारी संगठन में सिविल कार्य हेतु पंजीकरण की प्रति अथवा भा.कृ.अनु.प – केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम में कार्यानुभव का प्रमाण	
2	किसी सरकारी संगठन के कम से कम ₹10 लाख के प्रत्येक कार्य हेतु कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र की प्रतियां (गैर-भा.कृ.अनु.प अनुबंधों के लिए)	
3	पिछले तीन वर्षों का बैंक स्टेटमेंट	
4	पैन कार्ड की छायाप्रति	
5	आधार कार्ड की छायाप्रति	
6	पिछले तीन वर्षों के आयकर रिटर्न विवरण	
7	₹10,000/- का पंजीकरण शुल्क, डीडी/बैंकर चेक के रूप में, जो "भा.कृ.अनु.प – केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान इकाई, केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम" के पक्ष में आहरित हो	
8	संपर्क संख्या	
9	ई-मेल आईडी (अनिवार्य)	
10	पत्राचार/डाक पता पिन कोड सहित	

सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन को सीलबंद लिफाफे में, जिस पर "भा.कृ.अनु.प – केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान में ठेकेदार के नामांकन हेतु आवेदन" अंकित हो, कार्यालय समय के दौरान रिसेप्शन स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक 24.04.2026 तक अथवा उससे पूर्व जमा किया जा सकता है।

निदेशक, भा.कृ.अनु.प – केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान को किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन नामांकन हेतु विचाराधीन नहीं किए जाएंगे। **प्रशासनिक अधिकारी**

भारत में एआई स्पेशलिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स जैसी भूमिकाओं में तेजी से बढ़ रही फ्रेशर्स की मांग : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

भारत में फ्रेशर्स की मांग एआई स्पेशलिस्ट, जनरेटिव एआई इंजीनियर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। लिंक्डइन द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि तेजी से विकसित हो रहे रोजगार परि.श्य से पारंपरिक करियर मार्गों से परे भी अवसर खुल रहे हैं, जो तेजी से अपनाई जा रही तकनीकी आवश्यकताओं और बदलती व्यावसायिक जरूरतों से प्रेरित हैं।

आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि अवसर अब केवल तकनीकी भूमिकाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यवसाय और मानव संसाधन केंद्रित कार्यों में भी मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मानव संसाधन, परामर्श, सूचना प्रौद्योगिकी, विपणन, कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन और व्यवसाय विकास जैसे क्षेत्रों में फ्रेशर्स की भर्तियां बढ़ रही हैं।

बिजली आपूर्ति, शिक्षा, सरकारी प्रशासन, परिवहन और रसद एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी जैसे उद्योग युवा पेशेवरों के लिए प्रमुख क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि जिन क्षेत्रों को परंपरागत रूप से नए पेशेवरों के लिए प्रमुख गंतव्य नहीं माना जाता था, वे अब रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

करियर विशेषज्ञ और लिंक्डइन न्यूज की भारत वरिष्ठ प्रबंध संपादक निरजिता बनर्जी ने कहा कि तेजी से बदलते रोजगार बाजार में युवा पेशेवरों को अपरंपरागत करियर विकल्पों के प्रति खुला रहना चाहिए।

बनर्जी ने कहा, "यह किसी अलग उद्योग में, किसी नए शहर में, या किसी ऐसे पद पर हो सकता है जिसके बारे में आपने सोचा भी न हो। आज के गतिशील रोजगार बाजार में, जहां कौशल विभिन्न क्षेत्रों में काम आ सकते हैं, पेशेवरों के लिए बहुमुखी कौशल विकसित करना महत्वपूर्ण है।"

बनर्जी ने आगे कहा,"प्रारंभिक करियर विभिन्न भूमिकाओं और उद्योगों के अनुभवों से आकार ले रहा है। हालांकि पहली नौकरी का रास्ता हमेशा सीधा नहीं होता, लेकिन

विविध अनुभवों के लिए खुला रहना आपको गति बनाने और सही नौकरी खोजने में मदद कर सकता है।" रिपोर्ट के अनुसार, 2023 और 2025 के बीच 1 से 10 कर्मचारियों वाली कंपनियों में स्नातक डिग्री धारकों और व्यापक प्रवेश–स्तर के कार्यबल दोनों की भर्ती में तेजी से वृद्धि हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक रूप से, भर्ती अधिक वितरित हो रही है, और विजयवाड़ा, भोपाल, जयपुर, इंदौर, ग्वालियर और वडोदरा जैसे शहर प्रारंभिक करियर प्रतिभा के लिए तेजी से बढ़ते केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।

शपथ पत्र

मैं, एम. भुवनेश (जिसे मोहन राज भुवनेश के नाम से भी जाना जाता है), पिता एम. मोहन राज (जिसे मुथु मोहन राज के नाम से भी जाना जाता है), निवासी 37/2, बी.एस. रोड, नियर एनके होटल, फीनिक्स बे, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान–744101, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, भारत, निम्नलिखित कथन सत्यापित करता हूँ :

1. कि मैं एक ही व्यक्ति हूँ जिसे एम. भुवनेश तथा मोहन राज भुवनेश के नाम से जाना जाता है।
2. कि मेरे पिता का सही नाम एम.मोहन राज है (जिसे मुथु मोहन राज के नाम से भी जाना जाता है)।
3. कि मेरे पासपोर्ट संख्या N5632484 में मेरा नाम मोहन राज भुवनेश, सुपुत्र मुथु मोहनराज के रूप में दर्ज है, जो गलत है।
4. कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र में मेरा नाम एम. भुवनेश, सुपुत्र एम. मोहन दर्ज है, जो गलत /अपूर्ण है।
5. कि मेरे स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम एम. मोहन (गलत वर्तनी/अपूर्ण नाम) के रूप में दर्ज किया गया है।
6. कि उपरोक्त त्रुटियों के कारण मेरे नाम और मेरे पिता के नाम में विभिन्न दस्तावेजों में भिन्नताएं पाई जाती है।
7. कि मेरी सही और पूर्ण पहचान इस प्रकार है :

एम. भुवनेश (मोहन राज भुवनेश), सुपुत्र एम. मोहन राज (मुथु मोहन राज) जो मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में सही रूप से दर्ज है, और इसी नाम को मेरे सभी आधिकारिक अभिलेखों, पासपोर्ट सहित, में मान्य माना जाए।

8. कि यह शपथ पत्र मेरी सही पहचान की पुष्टि हेतु बनाया गया है और ऊपर उल्लिखित सभी नाम एक ही व्यक्ति को दर्शाते हैं।
9. कि इस शपथ पत्र की सभी बातें मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है और इसमें कोई भी बात छिपाया नहीं गया है।

स्थान : श्री विजय पुरम
दिनांक : 15.04.2026
शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, अन्ना उर्मिला मिन्ज, पति प्रकाश मिन्ज, निवासी ग्राम सबरी, तहसील रंगत, जिला उत्तर तथा मध्य अण्डमान, सत्यनिष्ठा से शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ :

1. यह कि मैं उपर्युक्त पते की स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम गलत अंकित हो गया है।
3. यह कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम अन्ना उर्मिला मिंग अंकित है, जबकि सही नाम अन्ना उर्मिला मिन्ज है।
4. यह कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम अन्ना उर्मिला मिन्ज है।
5. यह कि अन्ना उर्मिला मिन्ज और अन्ना उर्मिला मिंग दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम है।
6. यह शपथ पत्र मैं अपने शैक्षणिक दस्तावेजों में नाम सुधार कराने के उद्देश्य से दे रही हूँ तथा भविष्य में मैं अपना नाम अन्ना उर्मिला मिन्ज ही प्रयोग करूँगी।

उपरोक्त कथन क्रमांक 1 से 6 तक मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही है।

शपथकर्त्ता

राष्ट्रव्यापी "नारी शक्ति वंदन रन" का आयोजन 17–18 अप्रैल को सात शहरों में किया जाएगा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

युवा मामले और खेल मंत्रालय, महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने और विकसित भारत की परिकल्पना में नागरिक भागीदारी को मजबूत करने की अपनी सतत पहलों के तहत, 17 और 18 अप्रैल 2026 को सात प्रमुख शहरों में राष्ट्रव्यापी "नारी शक्ति वंदन रन" का आयोजन करेगा। नारीशक्तिवंदन थीम पर आधारित यह आयोजन दिल्ली, कटक, पटना, मुंबई, इंदौर, बेंगलुरु और जयपुर में आयोजित किया जाएगा। पटना और जयपुर में आयोजन 17 अप्रैल 2026 को निर्धारित हैं, जबकि शेष शहरों–दिल्ली, कटक, मुंबई, इंदौर और बेंगलुरु में यह दौड़ 18 अप्रैल 2026 को होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह तड़के प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ होगा, जिसके बाद उद्घाटन सत्र होगा जिसमें गणमान्य व्यक्तियों का अभिनंदन, मुख्य अतिथि का संबोधन और नारी शक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। लगभग 2 से 3 किलोमीटर की यह दौड़ प्रत्येक शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ होगा।

इस पहल का उद्देश्य विभिन्न पृष्ठभूमियों की महिलाओं, जिनमें छात्राएं, पेशेवर महिलाएं, उद्यमी, खिलाड़ी और नागरिक समाज की सदस्य शामिल हैं, की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय खेल प्राधिकरण और अन्य सहयोगी संगठनों के माध्यम से भागीदारी को सुगम बनाया जा रहा है।

"नारी शक्ति वंदन रन" का आयोजन संसद के 16 से 18 अप्रैल 2026 तक चल रहे सत्र के संदर्भ में किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं के प्रतिनिधित्व और परिसीमन की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य समावेशी प्रतिनिधित्व पर व्यापक राष्ट्रीय चर्चा के अनुरूप शासन और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी के प्रति जन जागरूकता और सहभागिता को बढ़ाना है।

इतिहास के पन्नों में 16 अप्रैल : भारतीय रेल का 'जन्मदिन', जब पहली बार पटरियों पर दौड़ी ट्रेन

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

भारत के परिवहन इतिहास में 16 अप्रैल का दिन बेहद खास माना जाता है। इसी दिन वर्ष 1853 में भारतीय रेलवे की पहली यात्री ट्रेन ने अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी। यह ट्रेन तत्कालीन बम्बई (अब मुंबई) से ठाणे के बीच चलाई गई थी, जिसने देश में रेल परिवहन की नींव रखी। 16 अप्रैल 1853 को चली इस पहली पैसेंजर ट्रेन को भारतीय रेल का "जन्मदिन" भी कहा जा सकता है। यह यात्रा करीब 34 किलोमीटर लंबी थी और इस ट्रेन में कुल 14 डिब्बे लगाए गए थे। खास बात यह रही कि इस ट्रेन को खींचने के लिए तीन इंजन लगाए गए थे, जो उस समय की तकनीक के हिसाब से एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। इस ऐतिहासिक यात्रा में लगभग 400 यात्रियों ने सफर किया था। उस दौर में यह घटना केवल एक परिवहन सेवा की शुरुआत नहीं थी, बल्कि भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुई।

समय के साथ भारतीय रेल ने लंबा सफर तय किया है। आज देश में हाई–स्पीड ट्रेन, वंदे भारत एक्सप्रेस और बुलेट ट्रेन जैसी आधुनिक परियोजनाओं पर काम हो रहा है। इसके बावजूद 16 अप्रैल 1853 का दिन भारतीय रेल के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा।

भारतीय रेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह न केवल लोगों को जोड़ने का माध्यम बना, बल्कि व्यापार, उद्योग और सांस्.तिक आदान–प्रदान को भी नई दिशा दी। इस प्रकार, 16 अप्रैल केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत के आधुनिक विकास की एक ऐतिहासिक शुरुआत का प्रतीक है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1917 – पेट्रोग्राड में रूसी सैनिकों का विद्रोह, रूस में अस्थायी सरकार का गठन, जार निकोलस द्वितीय द्वारा सिंहासन एवं देश का त्याग।

1919 – अमृतसर में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड में मरने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए महात्मा गांधी ने

प्रार्थना सभा और उपवास की घोषणा की।

1945 – एक सोवियत पनडुब्बी के कारण जर्मन शरणार्थी पोत डूब गया, जिससे 7000 लोग मारे गए।

1964 – ब्रिटेन के चर्चित अपराधों में शामिल 'द ग्रेट ट्रेन रॉबरी' के लिए 12 लोगों को 307 साल की सज़ा सुनाई गई।

1976 – आठ वर्ष तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे, हैरल्ड विल्सन ने त्यागपत्र दिया। उनके इस फैसले ने राजनीतिक हल्कों में तूफान ला दिया।

1988 – उत्तरी इराक के कुर्द आबादी वाले शहर हलबजा पर हुए गैस हमले में हजारों लोगों की मौत हो गई थी जबकि बहुत से लोग इसके प्रभाव से बीमार हो गए।

1990 – बिहार के राजधानी शहर पटना के निकट एक खचाखच भरी यात्री गाड़ी के दो डिब्बों में विस्फोट के बाद कम से कम 80 लोगों की जान गई और 65 अन्य घायल हुए।

2002 – दक्षिण कोरिया में विमान दुर्घटना में 120 मरे।

2008 – लेसेस्टर सिटी काउंसिल (लंदन) ने इस बहुसांस्कृतिक शहर में भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा लगाने को मंजूरी प्रदान की।

सीबीएसई 10वीं रिजल्ट घोषित, 2.21 लाख से ज्यादा छात्रों ने हासिल किए 90% से अधिक अंक

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10 का वर्ष 2026 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। इस बार 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या 2.21 लाख के पार पहुंच गई है, जो छात्रों के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है।

सीबीएसई के आंकड़ों के अनुसार 55,368 छात्रों ने 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जो कुल सफल छात्रों का लगभग 2.24% है। वहीं 2,21,574 छात्रों ने 90% या उससे अधिक अंक हासिल किए, जो कुल सफल विद्यार्थियों का करीब 8.96% है।

इस वर्ष कुल 24,83,479 छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 23,16,008 छात्र सफल घोषित हुए। कुल पास प्रतिशत 93.70% रहा, जो पिछले वर्ष के 93.66% की तुलना में 0.04% अधिक है।

विशेष आवश्यकता वाले छात्रों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। इस श्रेणी के 452 छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए, जबकि 91 छात्रों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए। यह समावेशी शिक्षा के सकारात्मक परिणामों को दर्शाता है।

इस वर्ष 1,47,172 छात्रों को कंपार्टमेंट श्रेणी में रखा

गया, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 5.95% है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के लगभग समान है, जिससे प्रदर्शन में स्थिरता का संकेत मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बड़ी संख्या में छात्रों का 90% से अधिक अंक हासिल करना शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत दोनों को दर्शाता है। वहीं कंपार्टमेंट में आए छात्रों के लिए सुधार परीक्षा एक महत्वपूर्ण अवसर है।

छात्र अपने परिणाम आधिकारिक वेबसाइटों cbse.gov.in, results.cbse.nic.in और cbseresults.nic.in पर देख सकते हैं। आधिकारिक पोर्टलों के अलावा, परिणाम DigiLocker और UMANG ऐप जैसे वैकल्पिक प्लेटफॉर्मों पर भी उपलब्ध हैं। बोर्ड ने बताया कि परिणाम संबंधित विद्यालयों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से भेज दिए गए हैं।

कक्षा 10 की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए 20 अप्रैल तक जमा करना होगा एलओसी : सीबीएसई

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा 2026 के लिए छात्रों की सूची (एलओसी) जमा करने और परीक्षा शुल्क भुगतान का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। बोर्ड ने इस संबंध में सभी संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी किए हैं।

बोर्ड के अनुसार परीक्षा शुल्क भुगतान का पहला चरण 16 से 20 अप्रैल तक रहेगा। इसी अवधि में छात्रों की सूची जमा करने और शुल्क भुगतान का दूसरा चरण भी आयोजित किया जाएगा। विलंब शुल्क के साथ तीसरे चरण में एलओसी जमा करने और शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 21 से 22 अप्रैल निर्धारित की गई है।

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों के नाम पहले चरण में जमा नहीं हुए थे, वे अब द्वितीय परीक्षा में शामिल होने के लिए अपना नाम दर्ज करा सकते हैं और परीक्षा शुल्क जमा कर सकते हैं। वहीं, पहले चरण में नाम जमा कराने वाले छात्र अब शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। जो छात्र द्वितीय परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते, वे अपना नाम वापस भी ले सकते हैं।

बोर्ड ने छात्रों को गणित विषय में विकल्प बदलने की अनुमति भी दी है। मुख्य परीक्षा में गणित (स्टैंडर्ड) लेने वाले छात्र दूसरी परीक्षा में गणित (बेसिक) चुन सकते हैं और इसके विपरीत भी संभव होगा। हालांकि, अन्य विषयों में बदलाव की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा उत्तीर्ण

छात्र अपने अंकों को सुधारने के लिए अधिकतम तीन विषयों में दोबारा परीक्षा दे सकते हैं।

इसके अलावा उत्तीर्ण छात्र अपने अंकों को सुधारने के लिए विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा विषयों में अधिकतम तीन विषयों में दोबारा परीक्षा दे सकते हैं। खेल कोटे के छात्रों के नाम भी इस अवधि में जोड़े जा सकेंगे।

सीबीएसई ने कहा है कि ईआर श्रेणी में रखे गए छात्र दूसरी परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे, जबकि कम्पार्टमेंट श्रेणी के छात्र निर्धारित नियमों के अनुसार परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

बोर्ड ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे दिशा–निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर छात्रों का सही डेटा एकत्र करें और निर्धारित समयसीमा के भीतर एलओसी जमा करें, क्योंकि अंतिम तिथि के बाद किसी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आईओएस सागर मालदीव के माले से छह दिवसीय पारगमन पूरा करने के बाद थाईलैंड के फुकेट पहुंचा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

हिंद महासागर पोत (आईओएस) सागर 14 अप्रैल, 2026 को मालदीव के माले से छह दिवसीय पारगमन पूरा करने के बाद थाईलैंड के फुकेट पहुंच गया है। यह उसके वर्तमान में जारी मिशन का दूसरा पड़ाव है।

16 मित्र देशों (एफएफसी) के बहुराष्ट्रीय दल से युक्त आईओएस सागर–आईएनएस सुनयना हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है और महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) की परिकल्पना को सुदृढ़ कर रहा है। मार्च 2026 में शुरू हुआ आईओएस सागर का वर्तमान संस्करण हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के अध्यक्ष के रूप में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को भी दर्शाता है।

फुकेट में अपने पड़ाव के दौरान, आईओएस सागर रॉयल थाई नौसेना (आरटीएन) के साथ पेशेवर वार्ता में शामिल होगा। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना और आपसी समझ को बढ़ाना है। सौहार्द और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है।

जहाज का यहाँ रुकना थाई नव वर्ष, सोंगक्रान उत्सव के अवसर पर हो रहा है, जिससे भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान को मजबूत करने का अवसर मिलता है।

माले से पारगमन के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय दल ने समुद्र में संरचित प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें नाविक कौशल अभ्यास और परिचालन अभ्यास शामिल थे। इनका उद्देश्य सामूहिक तत्परता, अंतरसंचालन और समुद्री सहयोग को बढ़ाना था। यह तैनाती समुद्री साझेदारी को मजबूत करने और क्षमता विकास के प्रति भारतीय नौसेना की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता में योगदान मिलता है।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने 2 अप्रैल 2026 को मुंबई से आईओएस सागर को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मिशन के अंतर्गत, भारतीय नौसेना के दल के साथ 16 मित्र देशों के 38 कर्मी आईओएस सागर पर सवार होकर माले, फुकेत, घ्ज्जकार्ता, सिंगापुर, यंगून, चटगांव और कोलंबो बंदरगाहों का दौरा करेंगे।

यह पहल 'एक महासागर, एक मिशन' की परिकल्पना को मूर्त रूप देती है, जो समुद्री साझेदारों के बीच मज़बूत जुड़ाव और सहयोग को बढ़ावा देती है।

गर्म, खारा और क्षारीय...तंजानिया का रहस्यमयी झील, जहां 'लाल पानी' का दिखता है खतरनाक रूप

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

दुनिया में कई ऐसी रहस्यमयी झीलें हैं जो बेहद खतरनाक मानी जाती हैं। इन्हीं में से एक है लेक नैट्रॉन, जो उत्तरी तंजानिया में स्थित है। इस झील के किनारे जाने की हिम्मत बहुत कम लोग करते हैं क्योंकि यहां का पानी ज्यादातर जीवों के लिए घातक है।

लेक नैट्रॉन का पानी बेहद गर्म, खारा और अत्यधिक क्षारीय है। इसका पीएच लेवल 10.5 तक पहुंच सकता है, जो सामान्य पानी से कई गुना ज्यादा तेजाबी है। पानी का तापमान अक्सर 40 से 60 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। इसमें गिरने वाले ज्यादातर जानवर कुछ ही देर में मर जाते हैं और उनकी लाशें खनिजों से ढककर पत्थर जैसी हो जाती हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लैंडसेट 8 सैटेलाइट द्वारा ली गई तस्वीरों में यह झील बेहद खूबसूरत दिखती है। इन तस्वीरों में झील का पानी गहरा लाल या गुलाबी रंग का नजर आता है। ये तस्वीरें मार्च 2017 की हैं, जब बारिश का मौसम शुरू हो रहा था।

नैट्रॉन की यह अनोखी रासायनिक बनावट आसपास की ज्वालामुखी गतिविधि की वजह से है। झील से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित ओआई डोइनो लेनगई ज्वालामुखी सोडियम कार्बोनेट से भरपूर लावा निकालता है। यह लावा भूमिगत दरारों से होकर गर्म झरनों के रूप में झील में

पहुंचता है। कम बारिश और ज्यादा वाष्पीकरण के कारण पानी और गाढ़ा होता जाता है।

हालांकि, इस झील में जीवन का अजीबोगरीब संतुलन देखने को मिलता है। इतनी कठोर परिस्थितियों के बावजूद यहां कुछ जीव पनपते हैं। पानी में हलोअर्चिअल नामक सूक्ष्म जीव बड़ी संख्या में रहते हैं, जो झील को लाल और गुलाबी रंग देते हैं। सबसे खास बात है कि झील के आसपास लेसर लेमिंगो पक्षी बड़े पैमाने पर घोंसला बनाते हैं। पूर्वी अफ्रीका के लगभग 75 प्रतिशत लेजर लेमिंगो का जन्म इसी झील के आसपास होता है। ये पक्षी झील के खारे पानी में पनपने वाले सूक्ष्म जीवों को खाते हैं और यहां शिकारियों से सुरक्षित रह पाते हैं।

इग्नू ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर ने 15 अप्रैल, 2026 को बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती अपने परिसर, वीआईपी रोड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, श्री विजय पुरम में मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय निदेशक प्रो. (डॉ.) सुनील जैकब, सहायक क्षेत्रीय निदेशकों, कर्मचारियों तथा इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर के विद्यार्थियों द्वारा बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

क्षेत्रीय निदेशक प्रो. (डॉ.) सुनील जैकब ने उपस्थित कर्मचारियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. बी. आर. अंबेडकर के महान योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका, स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री के रूप में उनके नेतृत्व, उनके शैक्षिक उपलब्धियों तथा समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को

एक ऐसे राष्ट्रीय नेता के रूप में भी उल्लेखित किया, जिन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया तथा जातिगत पहचान से परे उनके योगदानों को पहचानने की आवश्यकता पर बल दिया।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), चक्करगांव, श्री विजय पुरम द्वारा 10 अप्रैल को राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम देशव्यापी पहल के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों में बेहतर पोषण और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी अनुसंधान अधिकारी डॉ. पी.पी. प्रदीप कुमार के उद्घाटन संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने सतत स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने तथा राष्ट्र के स्वस्थ भविष्य के निर्माण में सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 9 से 23 अप्रैल, 2026 तक मनाए जा रहे इस वर्ष के पोषण पखवाड़ा का मुख्य फोकस प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं पोषण जागरूकता को सुदृढ़ करना है। इस दौरान जागरूकता कार्यक्रम, जनसंपर्क गतिविधियां एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं, ताकि स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र बाल विकास के प्रति जागरूकता और ज़िम्मेदारी को बढ़ावा दिया जा सके।

डिग्री प्रमाण पत्र का वितरण

मायाबंदर, 15 अप्रैल।

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान के सत्र 2019–20 के स्नातक डिग्री प्रमाण पत्र पांडिचेरी विश्वविद्यालय से प्राप्त हो गए हैं। प्राप्त विज्ञप्ति में उक्त सत्र के विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने डिग्री प्रमाण पत्र महाविद्यालय के प्रवेश एवं परीक्षा शाखा से कार्य दिवसों में प्राप्त कर लें।

एएनएम पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार स्वास्थ्य विभाग में 'ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ' (एएनएम) पद हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 अप्रैल, 2026 सुबह में 11 बजे से 6 मई, 2026 के मध्य रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रिक्तियों, शैक्षणिक योग्यता, पात्रता मानदंड एवं अन्य दिशा–निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट http://erecruitment.andamannicobar.gov.in तथा http://andamannicobar.gov.in पर उपलब्ध है।

नालंदा जहाज़ कोलकाता जाएगा

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल।

नालंदा जहाज़ 17 अप्रैल, 2026 को सायं 6 बजे श्री विजय पुरम से कोलकाता के लिए प्रस्थान करेगा। अतिरिक्त सामान (एक्सेस बैगेज) की लोडिंग 16 अप्रैल, 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी। अतिरिक्त सामान/कार्गो की बुकिंग पूर्व में डीएसएस के कमर्शियल विंग में कराना अनिवार्य है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों का बोर्डिंग (एम्बार्केशन) 17 अप्रैल को शाम 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगा तथा निर्धारित समय से एक घंटे पूर्व बोर्डिंग बंद कर दी जाएगी। विलंब से पहुंचने वाले यात्रियों को जहाज़ पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नालंदा जहाज़ के लिए टिकट उपलब्ध

श्री विजय पुरम, 15 अप्रैल।

17 अप्रैल, 2026 को कोलकाता के लिए निर्धारित नालंदा जहाज़ के प्रस्थान हेतु आरक्षित कोटे से यदि कोई अप्रयुक्त, समर्पित टिकट उपलब्ध होते हैं, तो उन्हें 16 अप्रैल, 2026 को दिन में 11 बजे से आम जनता के लिए जारी किया जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार टिकट जहाज़रानी सेवा निदेशालय के ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यात्री स्टार्स टिकटिंग काउंटर से भी टिकट प्राप्त कर सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए ई–टिकटिंग पोर्टल से सीधे जुड़ने हेतु क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र आज से शुरू होकर 18 अप्रैल तक चलेगा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

संसद के विस्तारित बजट सत्र का तीन दिवसीय विशेष सत्र कल से शुरू होगा। यह सत्र 18 अप्रैल तक चलेगा। इस सत्र में मुख्य रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा की जाएगी। वर्ष 2023 में पारित इस विधेयक को सरकार लागू करने के लिए तीन संशोधन विधेयक पेश करेगी। अधिनियम में लोकसभा और

राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव है।

शहरों को वित्तीय रूप से सक्षम बनाने को लेकर केंद्र ने जारी की अर्बन चैलेंज फंड की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने शहरों को आत्मनिर्भर और वित्तीय रूप से सक्षम बनाने के लिए 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) की गाइडलाइन्स की शुरुआत की। जो शहरों को पारंपरिक अनुदान आधारित मॉडल से बाहर निकाल कर उन्हें बाजार आधारित वित्त पोषण की दिशा में ले जाएगी, ताकि वे दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ और विकास के नए केंद्र बन सकें।

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल ने बुधवार को राजधानी स्थित कर्तव्य भवन में इस फंड की गाइडलाइन्स और इसके अंतर्गत क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी सब–स्कीम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें प्रमुख सचिव श्रीनिवास कटिकिथाला और सचिव डी थारा सहित राज्यों के शहरी विकास विभागों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। यह केवल अनुदान देने की योजना नहीं है बल्कि सार्वजनिक धन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और शहरों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने का प्रयास है। देश के शहर आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन के इंजन बन रहे हैं और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना तभी साकार होगी जब शहरों की योजना, वित्त और शासन प्रभावी ढंग से किया जाए।

उन्होंने कहा कि अमृत, स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटीज मिशन जैसी पहल ने शहरी ढांचे को मजबूत किया है, लेकिन अब अगला चरण शहरों को निवेश आकर्षित करने योग्य और वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाने का है। यह फंड पुराने शहर क्षेत्रों और बाजारों के पुनर्विकास, शहरी गतिशीलता, अंतिम मील कनेक्टिविटी, नॉन–मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट, जल और स्वच्छता ढांचे तथा जलवायु अनुकूल विकास जैसी परियोजनाओं को समर्थन देगा।